

H. 310. fg. धियः समग्रैः — गुणैः RAGH. 3, 30. मोक्षे धीर्ज्ञानम् AK. 1, 1, 4, 15. परापरत्वधीहेतुः BHĀṢĀP. 45. 67. 78. धृतिः तमा दमो ऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः । धीर्विद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम् ॥ M. 6, 92. कथयात्मानं न धियो पथि वर्तसे KUMĀRAS. 6, 22. स्वप्नधीगम्ये M. 12, 122. प्रायः समापन्नविपत्तिकाले धियो (dafür मतिः) PĀNĀT. II, 4) ऽपि पुंसो मलिना भवन्ति ad HIT. I, 24. धीर्धैर्यादिप्रकर्षः RĀGA-TAR. 5, 311. स्रष्टुर्धिया 4, 110. ध्यायन्ति चान्यं धिया PĀNĀT. I, 152. सर्वं शशंसोत्सुकया धिया KATHĀS. 9, 36. संसारार्णवमलङ्घनमधियाम् BHARTṢ. 3, 98. तस्मिन्व्यस्तधियः BHĀG. P. 1, 10, 12. रागद्वेषममलकविपत्तिधियः DHŪRTAS. 83, 11. अल्पं ^० von geringer Einsicht HIT. I, 63. SĪH. D. 1, 10. अभिनिविष्टधियः VARĀH. BRH. S. 19, 11. स्थितधी BHAG. 2, 54. एकबुद्धिः शतबुद्धिः सक्तधियो PĀNĀT. V, 36. क्षिप्तधी weicherzig BHĀG. P. 4, 3, 10. प्रतिकृतं ^० feindselig gesinnt BHARTṢ. 3, 6. धी = मानस BĀLAB. 1. — 3) Verstandniß, Kenntniß; Kunst; = ज्ञान und ज्ञानभेद MED. dh. 2. यस्ते पदं पथि संधौ रथस्येव स्मृर्धिया AV. 10, 1, 8. सदेनं धिया कृतं किरण्ययम् künstlich gemacht RV. 9, 71, 6. 10, 53, 6. (डुन्डुभिः) धोभिः कृतः AV. 5, 20, 8. तन्वानो यज्ञं धिया RV. 3, 3, 6. प्रुचिर्धिया पवते सोम इन्द्र ते 9, 72, 4. यया धिया गामरिणीत चर्मणाः 3, 60, 2. चेदयं धियमयं सो न धाराम् 8, 47, 10. कूधि वाजो अयो धियः 8, 26, 25. स धोभिर्स्तु सनिता मेधसाता सो अर्चता 4, 37, 6. 6, 43, 12. य एतो धियं (die Kunst des Bogenschießens) न विद्यात् ÇĀṆKU. ÇR. 17, 5, 4. मिश्रमेवं धियं व्यधात् RĀGA-TAR. 6, 117. — 4) religiöses Nachdenken, Andacht; Bitte, Gebet: अग्निमिन्धानो मनसा धियं सचेत मर्त्यः RV. 8, 91, 22. इन्द्रा योहि धियोषितः 1, 3, 5. 109, 1. 183, 8. आ वा धियो ववृत्युरधरो उप 133, 5. अत्र त्मना मृतं पिन्वन्तं धियः 131, 6. सरस्वती साधयन्ती धियं नः 2, 3, 8. मा तत्तृष्केदि वयंतो धियं मे 28, 5. अचतं धियं मे 40, 5. सेवमस्मे संनजा पित्र्या धीः 3, 39, 2. धियो यो नः प्रचोदयत् 62, 10. धियं च यज्ञं च साधयतः 10, 74, 3. 5, 45, 6. 11. धियस्पती Indra-VĀju 1, 23, 3. pl. personif. die heiligen Gedanken: शं सरस्वती सक्त धोभिर्स्तु 7, 33, 11. विश्वे देवासः शृणान्वचंसि मे सरस्वतो सक्त धोभिः पुरंध्या 10, 63, 13. (अश्विना) विश्वामिधोर्भिभुवनेन वाजिना दिवा पृथिव्यादिभिः सचाभुवां 8, 33, 2. — 5) die personif. Intelligenz ist die Gemahlin Rudra's als Manju BHĀG. P. 3, 12, 3. — 6) in der Astrol. das 5te Haus vom Lagna VARĀH. BRH. S. 59, 20. LAGHŪ. 1, 17. 8, 1. fgg. BRH. 2, 15. 4, 19. 9, 2. fgg. 22 (21), 4. — Vgl. इत्याधो, उदारं, दीर्घां, दुर्धी, दूष्ठी, सुधी, धियंतिन्व u. s. w.

3. धी Verwechslung mit 2. दी, wie umgekehrt zu धी gehörende Formen mit द् geschrieben werden; vgl. u. 3. दी. उच्छ्रुयसः सुदिना अग्निप्रा उरु ज्योतिर्विविदुर्दध्यानाः (richtig: दीध्यानाः scheinend, glänzend) RV. 7, 90, 4. नात्रस्य पृष्ठे अग्नि दीध्यानाः AV. 18, 2, 47.

4. धी, धीयते nach Einigen = आधार, nach Andern = अनादर DHĀTUP. 26, 27. Nach Vor. = आराध (ein verstelltes आधार) und अनादर WEST. — Vgl. 2. धि.

धीन्, धीन्ते ÇAT. Br. 3, 2, 30 nach WEBER vielleicht desid. von दिल्, da die Salbung der Augen ein Haupttheil der दीक्षा ist.

धीर्जनन (2. धी + जन्) adj. begeisternd: पृथेवं धीर्जनने ऽसि सोम RV. 9, 88, 3. Indra 97, 49. die Açvin 8, 3, 35.

धीर्ज्ञ (2. धी + ज्ञ) adj. dass.: मदाः RV. 9, 86, 1.

1. धीत partic. praet. pass. von 3. धा; s. das.

2. धीत partic. praet. pass. von 1. धी; s. das.

1. धीति (von 3. धा) f. das Trinken H. 394. Nach den Erklärern Durst, aber ohne Zweifel bildet धीति: mit पाने einen besondern Artikel.

2. धीर्ति (von 1. धो) f. धीती ved. = धीत्या P. 7, 1, 39. Sch. 1) Gedanken, Vorstellung; Nachdenken: परा मे यन्ति धीतयो गावो न गव्यूतीरन् RV. 1, 23, 16. 119, 2. धीत्यग्रे मनसा सं हि जग्मे 164, 8, 37. तं क्रत्वा पुनती धीतिरण्याः 4, 5, 7. 10, 64, 2. AV. 7, 1, 1. धीतिश्च क्रतुश्च VS. 18, 1. सतस्य RV. 1, 68, 5 (3). 4, 23, 8. 9, 76, 4. Wahrnehmung: प्र वः स धीतये नशत् 1, 41, 5. — 2) Andacht, Gebet Nir. 2, 24. स्वादिष्टा धीतिरुचवाय शस्यते RV. 1, 110, 1. अग्निगिरेः ऽवसावेतु धीतिम् 77, 4, 3, 12, 7. इन्द्रमुप शिमे धीतिभिः 32, 6. 5, 23, 3. 53, 11. येतं धीतिं सुमतिमावणोमहे 6, 13. 9, 7, 13, 1. 8, 8, 19. स धीतये वावशाना अनूयत् शिशुं रिक्तं मर्त्यः 9, 86. 31. die sieben d. h. die vielen Andachtsübungen oder Gebetsformen (beim Soma-Werk) 9, 4. 15, 8. 62, 17. pl. personif. (wie oben 2. धी) die heiligen Gedanken: अग्निरीशान् अज्ञंसा । वरुणो धीतिभिः सक्त । इन्द्रो मरुद्भिः सखिभिः सक्त TBH. 1, 5, 3, 2. — 3) pl. Einsicht, Klugheit: संचत्सरे समप्युच्यत धीतिभिः RV. 1, 110, 4. निश्चर्मणो गामरिणीत धीतिभिः 161, 7. 4, 36, 4 (vgl. 3, 60, 2). — 4) die in NIGH. 2, 5 und von den Erklärern angenommene Bedeutung Finger scheint geschlossen worden zu sein aus Verbindungen wie die folgenden: नमीं हिन्वन्ति धीतयो दश त्रिणः RV. 1, 144, 5. मृजति वा दश त्रिणो हिन्वन्ति सप्त धीतयः 9, 8, 4. साकमुनो मजयन्त् स्वसीरो दश धीरस्य धीतयो धनुत्रोः 93, 1. Das Wort hat aber auch hier die obigen Bedeutungen; man vergleiche: ऋषिभिर्मतिभिर्हितम् 9, 68, 7. वा विप्रसो मतिभिर्विचक्षणं प्रुधं हिन्वन्ति धीतिभिः 107, 24. — Vgl. अदब्धं, सतं.

धीतिक (viell. von 2. धोति) m. N. pr. eines buddhistischen Patriarchen WASSILJEW 33. 44. 45. 36. 67. 130. SCHIEFNER, Lebensb. 291 (61). 309 (79).

धोदा f. 1) Tochter (vgl. डुक्तिर und LASSEN, Instit. ling. pr. 172)

H. ç. 113. an. 2, 227. — 2) Intelligenz (vgl. 2. धी) H. an.

धोन (?) n. Eisen H. ç. 158.

धीन्द्रिय (2. धी + इन्द्रिय) n. ein wahrnehmendes Organ (im Gegens. zu कर्मेन्द्रिय) AK. 1, 1, 4, 17.

धीमत् (von 2. धी) 1) adj. mit Einsicht begabt, verständig, klug, weise AK. 2, 7, 5. H. 341. Schol. MED. t. 116. M. 1, 102. 7, 31. N. 5, 43. 12, 40, 57. 17, 2. BHAG. 1, 3. Hip. 4, 35. R. 1, 2, 35. 8, 24. 9, 19. 64, 2. ÇĀK. 33, 20. VARĀH. BRH. 19 (18), 7. HIT. Pr. 48. PHAB. 34, 19. f. धीमती AK. 2, 6, 4, 12. — 2) m. a) Bein. Bṛhaspati's, des Lehrers der Götter, MED. — b) N. pr. α) eines Sohnes des Virāḡ VP. 163. — β) eines Sohnes des Purūravas MBu. 1, 3149. VP. 398 und ebend. N. 1.

धीमर्षण (2. धी + मर्ष) m. (mit vorangehendem मिश्र) N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 122, a, 10.

1. धीर (von धृ; vgl. u. 22) UṆĀDIS. 2, 24. adj. f. आ 1) anhaltend, beständig, fest H. an. 2, 433. MED. r. 81. धीरनीरविकीः KĀT. 7. समीर Git. 5, 8. धीरया दशा KATHĀS. 18, 90. स्मरधीरकीर्तिः DHŪRTAS. 92, 1. धीरम् adv.: प्रययौ festen, entschlossenen Schrittes HARIV. 3735. गजपुंगवस्तु धीरे विलोकयति mit unverwandtem Blicke BHARTṢ. 2, 26. Häufig von Personen in der Bed. fest auf Etwas bestehend, beharrlich, standhaft, charakterfest, entschlossen. beherzt: आसनबन्धं RAGU. 2, 6. R. 1.